Seventeenth Loksabha

an>

Title: The Speaker made references to the passing away of Shri D.N. Patodia, Member, 4th Lok Sabha; and Shri Briraj Singh Kotah, Member, 3rd, 4th and 5th Lok Sabhas. He further made reference to the passing away of Pandit Briju Maharaj, renowned Kothak dancer of the Lucknow Gharana. Hon'ble Speaker also made references to the passing away of Archbishop Emeritus Desmond mpilo Tutu, a global leader and human right activist and Nobal Peace Prize Awardee and H.E. Mr. David Sassoli.

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को हमारे दो पूर्व साथियों श्री डी.एन. पाटोदिया और श्री बृजराज सिंह कोटा तथा प्रख्यात कत्थक नर्तक पंडित बिरजू महाराज जी के दुखद निधन के बारे में सूचित करना है ।

श्री डी.एन. पाटोदिया राजस्थान के जालौर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चौथी लोक सभा के सदस्य थे । श्री पाटोदिया नियम समिति के सदस्य रहे ।

श्री डी.एन. पाटोदिया का निधन 94 वर्ष की आयु में 24 जनवरी, 2022 को गुरुग्राम में हुआ ।

श्री बृजराज सिंह कोटा राजस्थान के झालावाड़ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से तीसरी, चौथी और पाँचवी लोक सभा के सदस्य थे । वे प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे ।

श्री बृजराज जी हाड़ौती सहित राजस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए आजीवन प्रतिबद्ध रहे । शिक्षा, चिकित्सा, समाज सेवा, मानव कल्याण, पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा ।

श्री बृजराज सिंह कोटा का निधन 87 वर्ष की आयु में 29 जनवरी, 2022 को कोटा में हुआ ।

पंडित बिरजू महाराज लखनऊ घराने के प्रख्यात कत्थक नर्तक थे ।

भारतीय नृत्य कला को विश्व भर में विशिष्ट पहचान दिलाने वाले पंडित बिरजू महाराज जी कला जगत की बहुत सम्मानित हस्ती थे । पंडित बिरजू महाराज को नृत्य कला में उनकी अद्‌भुत उपलब्धियों के लिए पद्म विभूषण और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया । उन्हें वर्ष 2012 में कोरियोग्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार भी दिया गया था । पंडित बिरजू महाराज का निधन 84 वर्ष की आयु में 17 जनवरी, 2022 को नई दिल्ली में हुआ ।

हम अपने पूर्व साथियों और पंडित बिरजू महाराज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और यह सभा शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती है।

माननीय सदस्यगण, अत्यंत दुख के साथ मुझे दक्षिण अफ्रीका के आर्चबिशप एमेरिटस डेसमंड एम्पिलो टूटू और यूरोपीय संसद के तत्कालीन अध्यक्ष महामहिम श्री डेविड ससोली के निधन के बारे में भी सभा को सूचित करना है।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आर्चबिशप डेसमंड टूटू एक वैश्विक नेता थे, जिन्होंने हमेशा मानवाधिकार और समानता के महत्व पर जोर दिया।

दक्षिण अफ्रीका में सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन तथा विश्व शांति में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए वर्ष 2005 में उन्हें गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया । महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रभावित होकर उन्होंने रंगभेद के विरूद्ध संघर्ष में आध्यात्मिक मूल्यों को जोड़ा।

आर्चबिशप डेसमंड टूटू का निधन 90 वर्ष की आयु में 26 दिसंबर, 2021 को केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका में हुआ।

महामहिम श्री डेविड ससोली, यूरोपीय संसद के तत्कालीन अध्यक्ष थे । भारत तथा यूरोपीय संघ के बीच संसदीय संबंधों को घनिष्ठ बनाने हेतु किए गए उनके प्रयासों के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

श्री डेविड ससोली का निधन 11 जनवरी, 2022 को इटली में हुआ।

हम आर्चबिशप डेसमंड टूटू तथा श्री डेविड ससोली के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हैं और यह सभा शोक संतप्त परिवारों तथा उनके अनुयायियों एवं प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में कुछ देर मौन रहेगी।

(*The Members then stood in silence for a short while.*)

माननीय अध्यक्ष : ॐ शांति: शांति: शांति: ।